.. bhakta sa njIvanaM ..

॥ भक्त सञ्जीवनं ॥

भक्त सञ्जीवनं भस्म विभूषणं
भव भञ्जना जय भूत गणाधिप ॥
नर्तन लालस नवरज मृदुहास
कीर्तनप्रिय जय भूत गणाधिपा ॥
कलतल नवमणिगण कृत भूषण
कलपाञ्चित जय भूत गणाधिप ॥

Encoded and proofread by Antaratma antaratma at Safe-mail.net

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com
Last updated October 3, 2010
http://sanskritdocuments.org